

V@ã•Á [|ã&^Áæ] |ã^•Ác [Áæ||Áã } äãçãã ~ æ |•Áæ~ã|ãæc^ãÁ , äc@Á Tã } } ^• [cæÁÙcæc^ÉÁã } &|~ äã } *Áã~cÁ [cÁ|ã { äc^ãÁc [ÉÁãc•Á•c~ã^ } c•É
^ {] | [^^^•ÉÁæ] |ã&æ } c•ÉÁç [|~ } c^•^!•ÉÁæ*^ } c•ÉÁc@^ÁÓ [æ!ãÁ [-ÁV!~•c^•^•ÉÁæ } äÁ [c@^!•Áæ•Áæ]] : [] !ãæc^Áæ } äÁ] : [c^&c•Ác@^
!ã*•c•Áæ } äÁ] !ãçæ&^Á [-Áæ||Áã } ç [|ç^ãÁã } äãçãã ~ æ |•ÉÁæ•Á , ^||Áæ•Á] !^ç^ } c•Á!^cæ|ãæcã [] ÉÁÔ [{] |æã } c•Á [-Á& [] ä~&cÁà^ÁæÁ•c~ã^ } c
[&&~!ã } *ÁæcÁæÁ [&æcã [] Á [c@^!Ác@æ } Á [] Á•^•c^ { Á] : [] ^!c^ÉÁã } &|~ äã } *Á [] |ã } ^ÉÁæ!^Á& [ç^!^ãÁà^Ác@ã•Á] [|ã&^Á] ~!•~æ } cÁc [Ác@^
~æ&c [] !ã|ã•c^ãÁã } ÁÓ [æ!ãÁÚ [|ã&^ÁHÉ T ÉÁÚæ!cÁGÉÁÔ [{] |æã } c•Á [-Á& [] ä~&cÁà^ÁæÁ•c^ { Á^ {] | [^ÁæcÁ [&æcã [] •Á [c@^!Ác@æ }
•^•c^ { Á] : [] ^!c^ÉÁã } &|~ äã } *Á [] |ã } ^ÉÁæ!^Á& [ç^!^ãÁà^Ác@ã•Á] [|ã&^ÉÁÔ [{] |æã } c•Á [-Á& [] ä~&cÁ [] Á•^•c^ { Á] : [] ^!c^ÉÁã } &|~ äã } *
[] |ã } ^ÉÁà^Áã } äãçãã ~ æ |•Á , @ [Áæ!^Á] [cÁ•c~ã^ } c•Á [!Á^ {] | [^^^•Áæ!^Á•~ãb^&cÁc [Áæ]] : [] !ãæc^Áæ&cã [] •Áã^Á Tã } } ^• [cæÁÙcæc^É
ã } &|~ äã } *Áã~cÁ [cÁ|ã { äc^ãÁc [ÉÁ] ~!•~ã } *Á&ãçã|Áæ&cã [] Áæ*æã } •cÁc@^ { ÉÁ!^~!;æ|Ác [Á|æ , Á^ } ~!& { ^ } cÉÁ [!Á] ~!•~ã } *ÁæÁ [[c!
^•] æ••ÉÁQ } äãçãã ~ æ |•Á , @ [Áçã [|æc^Ác@ã•Á] [|ã&^Á , ä||ÁãÁ•~ãb^&cÁc [Áãã&ã] |ã } æ!^Á [!Á [c@^!Á& [] !^&cãç^Áæ&cã [] ÉÁcE||^*æcã [] •Á [-
& [] ä~&cÁã } Áçã [|æcã [] Á [-ÁÚ [|ã&^ÁFÓÉFÁ { æ^Áà^Á•~ã { äcc^ãÁc@; [~ *@Ác@^Á] : [&^••Áãã^ } cã-ã^ãÁã } ÁÚ^•c^ { ÁÚ! [&^ã~!^ÁFÓÉFÉF
Q } c^!ç^ } cã [] Áæ } äÁÜ^• [|~cã [] É

V@ã•Á [|ã&^Á•~] ^!•^ã^•Áæ||Á^çã•cã } *Á& [||^*^ÉÁ~ } äç^!•äc^ÉÁæ } äÁ Tã } } ^• [cæÁÙcæc^Á^~æ|Á []] [!c~ } äc^Áæ } ä
} [] äã•&!ã { ä } æcã [] Á [|ã&^Á•É

Ò {] [^ { ^ } cÁâ^&ã•â [] •ÉÁ^â~ &æcâ [] æ|Áâ^&ã•â [] •ÉÁ [!Ác!^æc { ^ } cÁ [-Áæ } Áâ } ââçãâ~ æ|Áâ^&æ~ •^Á [-Á] ! [c^&c^â^&|æ••
•cæc~ •Á [!Á] ^!&^âç^âÁ] ! [c^&c^â^&|æ••Á•cæc~ •Ác@æcÁ~ àb^&c•Ác@^Áâ } ââçãâ~ æ|Ác [Áââ~^!^ } cÁc!^æc { ^ } cÁ• [Áæ•Ác [Áâ } c^!~^!^
, âc@Á [!Á]â { âcÁc@^Áæââ|âc~ Á [-Ác@^Áâ } ââçãâ~ æ|Ác [Á] æ!câ&ã } æc^Áâ } ÉÁ [!Áâ^ } ^-âcÁ-! [{ ÉÁc@^Á•^!çã&^•ÉÁæ&câçãcâ^•ÉÁ [!Á] !âçã|^*^•
] ! [çãâ^âÁâ^ÁTâ } } ^• [cæÁÛcæc^Á [!Á [c@^! , â•^Áæâç^!•^|~Áæ~^&c•Ác@^Áâ } ââçãâ~ æ|c•Á^ {] [^ { ^ } cÁ [!Á^â~ &æcâ [] É

Á

ŒE} ^Áâ } ââçãâ~ æ|Á^ {] [^ ^Áâ^ÁTâ } } ^• [cæÁÛcæc^ÉÁâ } &|~ââ } *Áâc•Á& [||^*^•ÉÁ~ } âç^!•âcâ^•ÉÁæ } áÁ•^•c^ { Á [~â&^ÉÁâ } &|~ââ } *
•c~â^} cÁ , [!\^!•É

ÁÁ

Ú: [c^&c^á&|æ••á&|~á^•Á:æ&^ÉÁ•^cÁçá}&|~áã} *Á} !^* }æ}&^ÉÁ&@á|áàá: c@ÉÁæ} áÁ!^|æc^áÁ { ^á&æ|Á& [] •áçá [] •DÉÁ& [[[É
&!^áÉÁ!^|á*á [] ÉÁæ*^ÉÁ} æçá [] æ|Á [!á*á } ÉÁáá•æàá|æc^ÉÁ { æ!áçæ|Á•cæc~ •ÉÁ•cæc~ •Á, áç@Á!^*æ!áÁç [Á] ~à|á&Áæ••á•cæ } &^ÉÁ•^c~æ|
[!á^ } cæçá [] ÉÁ*^ } á^!Ááá^ } cãc^ÉÁ*^ } á^!Á^c } !^••á [] ÉÁç^c^!æ } Á•cæc~ •ÉÁ-æ { á|áæ|Á•cæc~ •ÉÁæ } áÁ { ^ { à^!•@á } Á [!Áæ&cáçáç^Áá }
æÁ| &æ|Á@~ { æ} Á!á* @c•Á& [{ { á••á [] ÉÁÚ: [c^&c^á&|æ••á&|æ| [Áá } &|~á^•Á*^ } ^cá&Áá } ~ [! { æçá [] Á- [!Á^ {] [^^^•É

ÁÁ

Ü^cæ|áæçá [] Áá } &|~á^•ÉÁà~cÁá } [c|á { áç^áÁç [ÉÁ^ } *æ*á } *Áá } Áæ } ^Á- [! { Á [-Áá } çá { ááæçá [] ÉÁ!^ } !á•æ|ÉÁ [!Áæ!æ•• { ^ } c
æ*æá } •cÁæ } Áá } ááçáá~æ|Áá^&æ~•^Áç@^Á } !• [] K

FÉÁ { æá^ÁæÁ& [{] |æá } çÁ [!Á [c@^!Á& [{ { ~ } á&æçá [] Á~ } á^!Áç@á•Á] [|á&^Á [!Á []] [•^•Á& [] á~&cÁ] ; [@ááç^áá^Áç@á•
] [|á&^L

GÉÁæ••á•c^áÁ [!Á } æ!cá&á } æc^áÁá } Áæ } ^Á { æ } } ^!Áá } Áæ } Áá } ç^•cá*æçá [] ÉÁ [!Á] ; [&^••Á~ } á^!Áç@á•Á] [|á&^ÉÁ!^*æ!á^••Á [-
, @^c@^!ÁæÁ&|æá [Á [-Áá&•tá { á } æçá [] Á [!Áæ!æ•• { ^ } çÁá•Á~ } à•cæ } çáæc^áL

HÉÁæ•• [&áæc^áÁ, áç@ÁæÁ] ^!• [] } Á [!Á*!] ~ Á [-Á] ^!• [] •Á, @ [Áæ!^Á { ^ { à^!•Á [-ÁæÁ] ; [c^&c^á&|æ••L [!

IÉÁ { æá^ÁæÁ& [{] |æá } çÁ [!Áæ••á•c^áÁ [!Á } æ!cá&á } æc^áÁá } Áæ } ^Á { æ } } ^!Áá } Áæ } Áá } ç^•cá*æçá [] Á [!Á] ; [&^••Á, áç@Áç@
Ö~ } æ|ÁÖ {] [^ { ^ } çÁU] [!c~ } áç^ÁÖ [{ { á••á [] ÉÁç@^ÁVÉÜÉÖ^ } æ!c { ^ } çÁ [-ÁÖá~ } &æçá [] ÁU~á&^Á- [!ÁÖçá|ÁÜá* @c•É
c@^ÁTá } } ^• [çæÁÖ^ } æ!c { ^ } çÁ [-ÁP~ } { æ } ÁÜá* @c•Á [!Á [c@^!Á^ } ~ [!&^ { ^ } çÁæ*^ } &á^•ÉÁ~ } á^!Áæ } ^Á-á^!æ|Á [!
•cæc^Á [] } áá•&á { á } æçá [] Á|æ, ÉÁá } &|~áá } *Áç@^ÁÖçá|ÁÜá* @c•Áç&cÁ [-ÁFJ Î |LÁÜ^&cá [] Á Í € | Á [-Áç@^ÁÜ^@æàá|æçá []
ç&cÁ [-ÁFJ ÎHLç@^ÁTá } } ^• [çæÁP~ } { æ } ÁÜá* @c•Áç&cÁ [-ÁFJ Î } ÉÁÜçæçÁÖ@ÉÁH ÎHçÉÁæ } áÁç@^!Áæ { ^ } á { ^ } c•É

Ü^cæ|áæçá [] Á { æ^Á [&&~!Á, @^c@^!Á [!Á] [çÁç@^!Áá•ÁæÁ] [, ^!Á [!Áæ~c@ [!áç^Ááá~^!^ } çáæ|Áá^c, ^^ } Áç@^Áá } ááçáá~æ|
á } ç [|ç^áÉ

Tá } } ^• [çæÁ|æ, Á] ; [çááá•Á•] ^&æ|Á! [!c^&cá [] Á- [!Á&@á|á!^ } Á~ } á^!ÁF!Áæ } áÁç~| } ^!æà!^Áæá~|c•ÉÁV@^•^Á|æ, •É
Tá } } ^• [çæÁÜçæc~c^•Á•^&cá [] •ÁG Î€ÖÁæ } áÁ ÎG ÎÉ Î Î ÉÁáá^ } çá~Áç@ [•^Á, @ [Áæ!^Á { æ } áæc^áÁç [Á!^] [!çá] ^*|^&cÁ [!Áæá~•^
[-Á&@á|á!^ } Á~ } á^!ÁF!Áæ } áÁ } æ|c!æc { ^ } çÁ [-Áç~| } ^!æà!^Áæá~|c•ÉÁç&~|c^ÉÁ•c~á^ } çÁç^æ&@^!•Á [!Á&|á } á&æ|Á } æ!cá&á } æ } c•É
áæ^Á&æ!^Á } ^!• [] } ^|ÉÁæ } áÁ [c@^!Áá } ç [|ç^áÁá } ^Áá~ } &æçá [] Á [!Á•!çá&^•Áç [Á&@á|á!^ } Á [!Áç~| }] ^!æà!^Áæá~|c•Á { æ^Áá^
& [] } áá^!Áá [æ } áæc^áÁ!^] [!c!•Á~ } á^!Áá [c@Á [-Áç@^!Áá } æ, •ÉÁÜ^] [!cÁ [-Áæá~•^Á [!Á] ^*|^&cÁ [-ÁæÁ&@á|á!^] ;
ç~| } ^!æà!^Áæá~|cÉÁ { ~cÁá^Á } æá^Áç [Á|æ, Á^ } ~ [!&^ { ^ } çÁ [!Á•cæc^Á [!Á& [~] c^Á• [&áæ|Á•^!çá&^Áæ*^ } &á^•É

ÁÁ

Ø [!Á] ~ [!] [•^•Á [-Áç@á•Á] [|á&^ÉÁç@^Áç! { Á%•c~á^ } c+Áá } &|~á^•Áæ|Á } !• [] •Á, @ [K

FÉÁç!^Á^! ; [|^áÁá } Á [] ^Á [!Á [!Á& [~!•^•ÉÁ^áç@^!Á&!^ááçá [!Á] [] É&!^ááçÉÁç@! ; ~* @ÁæÁ& [|^*^Á [!Á~ } áç^!•áç^L

GÉÁ Y áç@á!æ, ÉÁç!æ } •-^!Á [!Á*!æá~æc^ÉÁæ-c^!Áæ } Áæ| |^*^áÁçá [|æçá [] Á [-Áç@^Á•c~á^ } çÁ& [] á~&cÁ& [á^L

HÉÁç!^Á } [çÁ [~á&áæ|~^Á } ; [|^áÁ- [!ÁæÁ } æ!cá&~ } æ!Áç! { Áá~çÁ, @ [Á@æç^ÁæÁ& [] çá } ~á } *Á!^|æçá [] •@á] Á, áç@Áç@^Á& [|^*^
[!Á~ } áç^!•áç^L

IÉÁPæç^Áá^ } Á } [çá-ááá [-Áç@^!Áá&&^ } çæ } &^Á- [!Áæá { á••á [] Á [!Á@æç^Áá } áçáæc^áÁç@^Á] ; [&^••Á [-Áæ]] |á&æçá [] Á- [!
æá { á••á [] Á [!Á-á } æ } &áæ|ÁæááLÁ [!

ÍÉÁç!^Á|áçá } *Áá } ÁæÁ& [|^*^Á [!Á~ } áç^!•áç^!Á!^•áá^ } &^Áç@æ|Áæ|c@ [~* @Á] [çÁ^ } ; [|^áÁá } ÉÁ [!Á^ {] [^ááá^ÉÁç@^Á& [|^*^
[!Á~ } áç^!•áç^É

Á€JBG€DJ I Á

Á€JBG€DJ I Á

Á€ÍDGGDGG

€ÍDGGDGGÁ. Á Y æ•Á!^çâ^, ^âáæ•Á]æ!cÁ[-Ác@^Á(Á^~^æ!Á!^çâ^, Á)]! [&^••ÉÁc@^Áæ { ^ } â { ^ } cÁ~] âæc^•Áæ } âÁ^ç] æ } â•Ác@^Á] [|â&^ |æ } * ~ æ*^Áâ } ÁÚæ!cÁFÉÁÚ~ à] ÉÁÓÁP [] ââ•&!â { â } æcâ [] ÉÁV@^Á|æ } * ~ æ*^Áâ } ÁÚæ!cÁGÁCE]] |â&æâ|âc^Á, æ•Áà! [æâ^ } ^âÁc [Áâ } & | ~ â^ æ&câçâcâ^•ÁæcÁ } [] È•^•c^ { Á | [&æcâ [] •Áæ } âÁ [] |â } ^ÉÁV@^Áâ^~â } âcâ [] •Á [-Á@æ!æ•• { ^ } cÁæ } âÁ•^ç~æ|Á@æ!æ•• { ^ } cÁ, ^!^Á~] âæc^â æ } âÁ^çæ {] |^•Á, ^!^Á]! [çâ^ââÁ- [] Áâ [c@ÉÁV@^Áâ^~â } âcâ [] } Á [-Á%]! [c^&c^âÁ&|æ••+Á, æ•Á&|æ!â~â^âÁc [Áâ } & | ~ â^Á]! ^* } æ } & ^ÉÁ&@â | â ââ!c@ÉÁæ } âÁ!^|æc^âÁ { ^ââ&æ|Á& [] } ââcâ [] •ÉÁæ } âÁæ|• [Á^ç] æ } â^âÁc [Áâ } & | ~ â^Áç^c!æ } Á•cæc~•Áæ } âÁc@^Á*^ } ^câ&Áâ }~ [] { æcâ [] } Á [- ^ {] | [^^^•ÉÁV^&@ } â&æ|Á^ââc•Á { æâ^Ác@! [~ * @ [~ cÁâ [&~ { ^ } cÁ~! [{ Ác@^Áæ }] |â&æcâ [] } Á [-Ác@^Á } ^, Á, !âcâ } *Áæ } âÁ- [] { æccâ } * •cæ } âæ!â•É

FĐG ÌĐF ÍÁÉÁCE { ^ } â^âÁc [Áâ } & | ~ â^Á-æ { â|âæ|Á•cæc~•Áæ•ÁæÁ]! [c^&c^âÁ&|æ••Á]! [c^&c^âÁ-! [{ Áââ•&!â { â } æcâ [] } Áâ } Á^ {] | [^ { ^ } cÉ

CEâââcâ [] æ|Á_____